विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

वर्ग अष्टम - विषय हिंदी

शिक्षिका - सरिता कुमारी

दिनांक – 03- 06- 2020

प्रिय बच्चों

जिंदगी एक झूले के समान है वह जितना पीछे जाती है उतनी ही तीव्र वेग से आगे

भी बढ़ती है। इसलिए यदि परिस्थितियां विपरीत हो तो उनसे घबराए नहीं ,डटकर सामना करें। आगे बढ़ें।आप अपने आप को सबल पाएंगे।

इन्हीं बातों के साथ सुप्रभात !!

आपने प्रेमचंद द्वारा रचित 'मंत्र' कहानी को पढ़ा। आज के अध्ययन सामग्री में हम पाठ से जुड़े कठिन शब्द और उनके अर्थ जानेंगे।

शब्दार्थ

औषधालय - अस्पताल

दीनबंधु -गरीबों के सहायक

निश्चल- बिना हिले दुले

मर्मभेदी -हृदय को छूने वाला

आर्त स्वर- दुखी स्वर

प्रत्यक्ष प्रमाण- आंखों देखा सबूत

शंका निवारण- संदेश दूर करना

कांति -चमक

मलिन -मैला

कोहराम - शोर

क्रंदन- रोना

अश्रु प्रवाह -आंसू बहना

प्रतिकार- बदला

उप चेतना -आत्मा, मन

मुबारकबाद- बधाई

जीवन पर्यंत- आजीवन

दिए गए कठिन शब्दों के अर्थ को याद करें और अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

अगले अध्ययन सामग्री में पाठ से संबंधित प्रश्नावली आरंभ होगा ।

तब तक के लिए स्वस्थ रहें सुरक्षित रहें और मुस्कुराते रहें।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ धन्यवाद।